वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, समृद्ध और वैभवशाली राष्ट्र बनाने का लें संकल्प : गुजरात सांसद मुकेश राठवा

युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण में निभाए महत्वपूर्ण भूमिकाः राजपूत

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। सेवा संकल्प यात्रा के अंतर्गत वडनगर से वाराणसी जा रही रूट क्रमांक-3 की यात्रा का सागर शहर में आगमन हुआ। यात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं मार्गों से होकर गुजरी, जहां स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न वर्गों द्वारा पुष्पवर्षा कर तथा पुष्पमालाओं से यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया गया, तत्पश्चात सामुहिक वंदे मातरम् का गायन किया गया। यात्रा के माध्यम से सेवा, जनभागीदारी, स्वच्छता, नशामुक्ति, रक्तदान, महिला सशक्तिकरण, युवाओं की सहभागिता और विकसित भारत के संकल्प का संदेश दिया जा रहा है। मोतीनगर चौराहे पर यात्रा के पहुंचने पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, आमजन एवं महिलाएं उपस्थित रहीं और यात्रियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है। देश के नौजवान इस संकल्प को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सेवा और संकल्प की यात्रा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष के अवसर पर निकाली जा रही यह यात्रा समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा और जनकल्याण की भावना पहुंचाने का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार के लिए गंभीर बीमारी के उपचार में लाखों रुपये खर्च करना कठिन होता है, ऐसे में आयुष्मान भारत योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लाड़ली बहना योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किसानों के हित में किसान कल्याण तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

राज्यसभा सांसद गुजरात श्री मुकेश राठवा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखते हुए देश की सेवा एवं जनकल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा है और इसी विकास यात्रा तथा प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से युवा इस सेवा संकल्प यात्रा में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा का उद्देश्य सेवा, जनभागीदारी और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाना है। सांसद श्री मुकेश भाई ने जनजातीय विकास एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज के उत्थान और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सहित देश को विकास की गति में आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, समृद्ध और वैभवशाली राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने वडनगर से वाराणसी तक की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह यात्रा देश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत से जुड़ने तथा सेवा और संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने यात्रियों का सागर की धरती पर स्वागत करते हुए कहा कि अतिथि हमारे लिए सम्मान और आत्मीयता का विषय होते हैं तथा सागर की जनता यात्रियों का स्वागत पूरे मन से करती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने तथा विश्व में भारत की भूमिका को और मजबूत करने के संकल्प के साथ हम सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है।

जिला अध्यक्ष श्री श्याम तिवारी ने कहा कि युवाओं को आगे बढ़कर लघु एवं छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ ही समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता करनी चाहिए। उन्होंने स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने, नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए कार्य करने तथा रक्तदान जैसे सेवा कार्यों में सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण का लाभ पहुंचाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सेवा, स्वच्छता, नशामुक्ति और जनकल्याण के कार्यों के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सभी अपना योगदान दें। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, विभिन्न वार्डों के पार्षदगण, सिटी मजिस्ट्रेट सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

खास-खबरें

निर्माण कार्यों के लिए 26.78 करोड़ स्वीकृत 1.86 करोड़ से बनेगी गढ़ौली एप्रोच रोड

सागर : पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के प्रयासों से शासकीय महाविद्यालय खुरई, शासकीय महाविद्यालय मालथौन तथा शासकीय महाविद्यालय बांदरी में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए मप्र गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भोपाल ने 2,678.83 की राशि स्वीकृत की है। लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1 सागर ने खुरई विधानसभा क्षेत्र में गढ़ोली एप्रोच मार्ग निर्माण के लिए186.09 लाख की राशि स्वीकृत की है।

मप्र गृह निर्माण मण्डल आयुक्त कार्यालय द्वारा पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह को अवगत कराया गया है कि सागर जिले के खुरई शासकीय महाविद्यालय में आडिटोरियम, खेल मैदान विकास कार्य तथा वाहन स्टेंड/शेड निर्माण कार्यों के लिए 2054.36 लाख का प्रस्ताव उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्वीकृत किया गया है। शासकीय महाविद्यालय मालथौन में 4 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण, खेल मैदान विकास कार्य तथा वाहन स्टैंड/शेड निर्माण हेतु 387.25 लाख की राशि उच्च शिक्षा विभाग ने स्वीकृत की है। उच्च शिक्षा विभाग ने शासकीय महाविद्यालय बांदरी में सेमीनार हाल तथा वाहन स्टैंड/शेड निर्माण हेतु 237.22 लाख स्वीकृत किए हैं। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह की पहल पर लोनिवि भोपाल से गढ़ोली एप्रोच रोड लंबाई 0.90 किमी के निर्माण के लिए 186.09 लाख की राशि स्वीकृत की गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ पक्के घर का सपना

सागर : कहानी सेवा की के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। योजना के अंतर्गत लाभार्थी को आवास का लाभ प्राप्त हुआ है। इससे परिवार को सुरक्षित छत के साथ बेहतर और सुविधाजनक जीवन-यापन का अवसर मिला है। लाभार्थी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें अपने घर का सपना पूरा करने का अवसर मिला है। आवास का लाभ मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है। पक्का आवास उनके परिवार के लिए सुरक्षा, सुविधा और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद लेकर आया है। लाभार्थी ने आवास का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी, विधायक भूपेंद्र सिंह एवं अपने सरपंच महोदय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिल रहा है और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से मिला यह लाभ उनके परिवार के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रामसरोज समूह की ओर से पितरों के तर्पण के लिए 5वीं बार निःशुल्क गयाजी यात्रा,जरूरतमंद परिवारों को किया रवाना

सागर : आज रामसरोज समूह के लिए अत्यंत सौभाग्य का दिन है। लगातार पांचवें वर्ष में तीर्थ दर्शन संकल्प को जारी रखते हुए शहर के जरूरतमंद और आदरणीय बुजुर्गों को अपने पूर्वजों के मोक्ष और तर्पण हेतु प्रयागराज, बनारस और गया जी की पावन तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस पवित्र अनुष्ठान का शुभारंभ परम पूज्य श्री विपिन बिहारी जी सरकार एवं नर्मदा भक्त परम पूज्य श्री केशव गोस्वामी जी महाराज के पावन सानिध्य तथा शहर की विशिष्ट मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। पितरों का आशीर्वाद और संतों का सानिध्य ही जीवन का सबसे बड़ा संबल है। सबका साथ और आप सबका सहयोग ही इस सेवा यात्रा की असली ताकत है।

सीएम हेल्पलाइन की 100 दिन पुरानी शिकायतों पर कलेक्टर सख्त, लापरवाही पर अधिकारियों को नोटिस जारी, तत्काल निराकरण के निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के प्रति जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। सागर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने 100 दिन से भी अधिक समय से लंबित ष्टरूहेल्पलाइन की शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। शिकायतों का समय पर निराकरण न होने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी तरह की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पेंडेंसी पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने तथा अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रहें, बल्कि शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद करें। शिकायतों का निराकरण इस प्रकार किया जाए कि आवेदक पूरी तरह संतुष्ट हो। कलेक्टर ने जनहित से जुड़ी संवेदनशील योजनाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आयुष्मान भारत एवं स्वास्थ्य सेवाएं, राहत राशि एवं छात्रवृत्ति वितरण, धरती आबा अभियान एवं अत्याचार निवारण प्रकरण, उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया है कि आगामी समय-सीमा बैठक में वे शिकायतों के निराकरण की प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

स्वामित्व अधिकार अभिलेख को लेकर एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। स्वामित्व योजना के तहत अधिकार अभिलेखों के निष्पादन एवं पंजीयन कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से कार्यालय कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि ग्रामवार एवं पटवारीवार प्रगति की सूची तैयार कर प्रतिदिन कार्य की समीक्षा की जाए। साथ ही सेक्टर ऑफिसर के माध्यम से मैदानी स्तर पर कार्य का सत्यापन कराया जाए। जारी SOP एवं दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के निष्पादन प्रक्रिया एवं पंजीयन के संबंध में SOP स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 के तहत पूरा काम SAARA और SAMPADA 2.0 ऐप से पंचायत भवन में लगे कैंप में होगा, जिसमें पहले भूस्वामी की आधार द्र-चड्ढष्ट, नाम और खसरे का मिलान किया जाएगा, फिर भूस्वामी की वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए सहमति ली जाएगी, पटवारी द्वारा चतुर्सीमा और ड्रोन फोटो का सत्यापन कर 2 गवाह जोड़े जाएंगे, वॉलेट से शून्य शुल्क पर भुगतान के बाद Face Authentication से e-Sign कर दस्तावेज को पंजीयन अधिकारी के पास भेजा जाएगा, जहां दस्तावेज और वीडियो की जांच के

दो सौ मीटर तक कंटेनर के नीचे बाइक घिसटी, दो की मौत

मालथौन : सागर जिले के बांदरी थाना अंतर्गत रजवांस के नेशनल हाईवे-44 पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो बाइक सवारों की मौत हो गई। हुए हादसे का मंजर भीषण दर्दनाक दृश्य रेंगटे खड़े कर देने वाला सामने आया। दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं ग्रामीणों ने घटनास्थल पर ओवरब्रिज और सर्विस रोड निर्माण की मांग को लेकर आक्रोश जताया है। रजवांस ओवरबृज के दोनों और सर्विस रोड की अनदेखी मुसाफिरों को काल साबित हो रही। यह फोरलेन सड़क एक बड़ा खतरनाक ब्लैक स्पॉट बना हैं विगत बर्षो में कई काल के गाल में समा गए। एनएचएआई के जिम्मेदारों की मूकदर्शिका मुसाफिरों की जिंदगी लील रहा है। पुलिस इन हादसों की सूक्ष्मता से जांच हादसों की वजह जानकर कार्रवाही करें। जानकारी के अनुसार, शेर सिंह आदिवासी निवासी बंद्रावठा और मिथिलेश आदिवासी निवासी तिगरा खुर्द, चौकी रजवांस मोटरसाइकिल से बंडा क्षेत्र के बछरावनी गांव में रिश्तेदार की गमी के कार्यक्रम से लौट रहे थे दोनों मृतक आपस में समधी बताए गए। रजवांस नगर में पेट्रोल पंप के पास नेशनल हाइवे की पुलिया पर तेज रफ्तार कंटेनर की चपेट में आ गए। दोनों बाइक सवारों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद नगरवासियों और आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि नेशनल हाईवे-44 का रजवांस क्षेत्र करीब 50 गांवों के लोगों के आवागमन का प्रमुख मार्ग है, लेकिन पेट्रोल पंप के पास पुलिया पर ओवरब्रिज और पहले से बने ओवरब्रिज पर सर्विस रोड नहीं होने के कारण से आए दिन गंभीर सड़क हादसे हो रहे हैं। पूर्व में एनएचएआई की बड़ी लापरवाही के कारण हादसों का सबब बन हुआ हैं एक प्रकार ब्लैक स्पॉट बना हुआ हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से मांग की है कि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पेट्रोल पंप के पास पुलिया पर शीघ्र ओवरब्रिज का निर्माण तथा मौजूदा ओवरब्रिजों के दोनों ओर सर्विस रोड बनाई जाए।

स्पेशल खबर दान-पुण्य से जुड़ी दानवीर कर्ण की पौराणिक कथा, 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या का विशेष महत्व

आस्था : पितृ पक्ष श्राद्ध के साथ पूर्वजों के स्मरण का पावन पर्व

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर। सनातन धर्म एवं संस्कृति में पितृ पक्ष केवल धार्मिक कर्मकांड का अनुष्ठान मात्र नहीं है, बल्कि यह अपनी जड़ों, पहचान और पूर्वजों के प्रति असीम श्रद्धा एवं कृतज्ञता प्रकट करने का एक पावन और आत्मिक अवसर है। भारतीय काल-गणना और पंचांग के अनुसार, इस वर्ष भाद्रपद पूर्णिमा के श्राद्ध के साथ ही पितृ पक्ष के अनुष्ठानों की शुरुआत हो चुकी है। वहीं, 27 सितंबर रविवार को प्रतिपदा तिथि के साथ मुख्य पितृ पक्ष का शुभारंभ हो रहा है।आश्विन कृष्ण पक्ष की इस पावन अवधि में श्रद्धालु अपने दिवंगत परिजनों और पूर्वजों की आत्मिक शांति तथा मुक्ति के लिए पूर्ण निष्ठा, विधि-विधान और श्रद्धा भाव से श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान एवं दान-पुण्य के कार्य संपन्न करेंगे। इस महापर्व का समापन 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या (महालया) के साथ होगा।

विधि-विधान और धार्मिक परंपराएं

पितृ पक्ष की 16 दिनों की इस अवधि में परिवार के सदस्य अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि (तिथि अनुसार) के आधार पर तर्पण और श्राद्ध कर्म करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन दिनों में दोपहर के समय (कुतुप काल) तिल, जल, कुश और पुष्प अर्पित कर पितरों का आह्वान एवं तर्पण किया जाता है। इसके पश्चात पिंडदान, ब्राह्मण भोजन, गाय, कुत्ते, कौवे और चींटियों को ग्रास देने (पंचबलि कर्म) की परंपरा है।

इन दिनों में यथाशक्ति अन्न दान, वस्त्र दान और गुप्त दान का विशेष महत्व बताया गया है। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर्मदा तटों, पवित्र नदियों, सरोवरों और पौराणिक तीर्थ स्थलों (जैसे गयाजी, प्रयागराज) पर पहुंचकर अपने पितरों की तृप्ति के लिए जलांजलि और पिंडदान के अनुष्ठान संपन्न कर रहे हैं।

पितृ पक्ष में अन्न और जल दान के महत्व को दर्शाती एक अत्यंत लोकप्रिय पौराणिक कथा महाभारत के महान योद्धा दानवीर कर्ण से जुड़ी हुई है। मान्यता है कि महाभारत युद्ध के उपरांत जब कर्ण की आत्मा स्वर्ग पहुंची, तो उन्हें वहां भोजन के स्थान पर स्वर्ण, चांदी और बहुमूल्य आभूषण परोसे जाने लगे।

आश्चर्यचकित होकर जब कर्ण ने इसका कारण पूछा, तो उन्हें बताया गया कि उन्होंने अपने जीवनकाल में सोने, चांदी और मूल्यवान वस्तुओं का तो अपार दान किया, परंतु कभी अपने पितरों के नाम से अन्न और जल का दान नहीं किया।

कर्ण को जब अपनी इस भूल का अहसास हुआ, तो उन्होंने क्षमा याचना की। तब उन्हें 16 दिनों के लिए पुनः पृथ्वी लोक पर लौटने का विशेष अवसर प्राप्त हुआ। पृथ्वी पर आकर कर्ण ने पूर्ण विधि-विधान से अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण, अन्नदान और जलदान किया। इसके बाद वे पुनः स्वर्ग लौटे। इसी पौराणिक घटना के आधार पर पितृ पक्ष में अन्न-जल के दान और श्राद्ध की अमर परंपरा की शुरुआत मानी जाती है।

पितृ पक्ष का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण दिन 10 अक्टूबर को 'सर्वपितृ अमावस्या' के रूप में मनाया जाएगा। शास्त्रों में इस तिथि को अति फलदायी और कल्याणकारी माना गया है। जिन पूर्वजों की मृत्यु तिथि याद न हो, या किसी कारणवश निर्धारित तिथि पर उनका श्राद्ध न हो सका हो, उनका श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण इस अमावस्या के दिन किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन किया गया तर्पण सभी पितरों तक पहुंचता है और वे प्रसन्न होकर परिजनों को सुख, समृद्धि एवं आरोग्य का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

आज की अति-व्यस्त और भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर वर्तमान की आपाधापी और भविष्य की चिंताओं में इतने उलझ जाते हैं कि उन पूर्वजों को भूलने लगते हैं जिनके संघर्ष, त्याग और संस्कारों की मजबूत नींव पर हमारा वर्तमान खड़ा है। पितृ पक्ष हमें अपनी विरासत, संस्कृति और जड़ों से पुनः जुड़ने की प्रेरणा देता है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि परिवार केवल वर्तमान पीढ़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे अनेक पीढ़ियों का पसीना, त्याग और दूरदर्शिता शामिल है। पूर्वजों को याद करना अपनी पहचान और विरासत को सम्मान देने के समान है।

केवल अनुष्ठान ही नहीं, संस्कारों का आचरण है सच्ची श्रद्धांजलिः धर्मशास्त्रियों और विचारकों के अनुसार, पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि केवल कर्मकांड या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पूर्वजों द्वारा दिए गए उच्च नैतिक मूल्यों और अच्छे संस्कारों को अपने दैनिक जीवन में अपनाना, घर के बुजुर्गों एवं माता-पिता का आदर-सम्मान करना, समाज के निर्धन व जरूरतमंद लोगों की निस्वार्थ सहायता करना तथा परिवार में आपसी प्रेम, भाईचारा और शांति बनाए रखना ही पूर्वजों के प्रति सच्चा सम्मान है। पितृ पक्ष का मूल संदेश अत्यंत स्पष्ट और पावन है—अपने पूर्वजों को पूर्ण श्रद्धा से याद करें, उनके द्वारा स्थापित आदर्शों को जीवन में उतारें और अपनी समृद्ध परंपराओं व संस्कारों की इस मशाल को आने वाली नई पीढ़ी तक पूरी निष्ठा के साथ पहुंचाएं।